RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 170
दि. 19.10.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में पीटीसी इंडस्ट्रीज के स्ट्रेटेजिक मैटेरियल्स टेक्नोलॉजी कॉम्प्लेक्स में टाइटेनियम और सुपरअलॉय मैटेरियल्स प्लांट राष्ट्र को समर्पित किया

भारत को प्रौद्योगिकी निमार्ता बनने के लिए रक्षा और एयरोस्पेस में उपयोग की जाने वाली दुर्लभ सामग्रियों का उत्पादन करना चाहिए: श्री राजनाथ सिंह

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत को प्रौद्योगिकी निमार्ता बनने और अपनी तकनीकी संप्रभुता की रक्षा करने के लिए रक्षा और एयरोस्पेस में उपयोग की जाने वाली दुर्लभ सामग्रियों का उत्पादन करना चाहिए। वे 18 अक्टूबर, 2025 को उत्तर प्रदेश के लखनऊ में पीटीसी इंडस्ट्रीज के स्ट्रैटेजिक मैटेरियल्स टेक्नोलॉजी कॉम्प्लेक्स में एक टाइटेनियम और सुपरलॉय मैटेरियल्स प्लांट राष्ट्र को समर्पित कर रहे थे। रक्षा, अंतरिक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य क्षेत्रों में उपयोग की जाने वाली रेअर अर्थ मैटेरियल के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि केवल कुछ देशों में ही इन सामग्रियों को परिष्कृत करने और उच्च-स्तरीय उत्पाद बनाने की क्षमता है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि उद्घाटन किया गया संयंत्र, जो एयरो-इंजन कंपोनेंट्स और सुपरलॉय कंपोनेंट्स आदि को बनाने वाली पहली निजी क्षेत्र की विनिर्माण इकाइयों में से एक है, भारत को दुर्लभ सामग्रियों के उत्पादन में मदद करने में एक लंबा रास्ता तय करेगा।

रक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि अतीत में भारत रक्षा और एयरोस्पेस के लिए आवश्यक उन्नत सामग्रियों और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के लिए अन्य देशों पर निर्भर था, जिससे रक्षा क्षेत्र का विकास धीमा हो गया था, और टाइटेनियम और सुपरलॉय सामग्री संयंत्र जैसी पहल इस प्रवृत्ति के उलट होने का संकेत देती हैं।

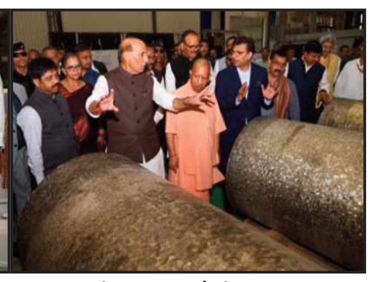

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत तभी अपनी असली ताकत हासिल कर पाएगा जब वह अपनी सामग्री, कलपुर्जे, चिप्स और मिश्रधातुओं का निर्माण स्वयं कर सकेगा। उन्होंने कहा कि यह नया संयंत्र भारत को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल करता है जो अपनी महत्वपूर्ण रक्षा और एयरोस्पेस सामग्री स्वयं बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि इससे हम अपने लड़ाकू विमानों, मिसाइलों, नौसैनिक प्रणालियों और उपग्रहों में इस्तेमाल होने वाले कलपुर्जों का निर्माण कर सकेंगे।

रक्षा मंत्री महोदय ने कहा कि तकनीक शक्ति है, लेकिन असली ताकत सामग्री है। उन्होंने आगे कहा कि चाहे सेमीकंडक्टर चिप हो, बुलेट सामग्री हो या इंजन टरबाइन का पुर्जा, रणनीतिक सामग्रियों के बिना कुछ भी संभव नहीं है। हम एक ऐसी नींव तैयार कर रहे हैं जो आने वाले वर्षों में भारत की तकनीकी संप्रभुता को मजबूत करेगी।

इस संयंत्र को आत्मनिर्भर भारत का जीवंत उदाहरण बताते हुए श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इससे न केवल उद्योग जगत को बल्कि समग्र समाज को भी लाभ होगा। उन्होंने कहा कि यह एक नवाचार श्रृंखला स्थापित करेगा जो रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को पूरा करेगा और राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करेगा।

रक्षा मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि सामरिक सामग्री प्रौद्योगिकी परिसर के बारे में, उत्तर प्रदेश के औद्योगिक मानचित्र में एक नया आयाम जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह परिसर, सहायक इकाइयों और आपूर्तिकर्ता उद्योगों के साथ मिलकर राज्य में ही प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर पैदा करेगा। उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारा एशिया के सबसे उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में से एक होगा, जो कई स्टार्ट-अप और एमएसएमई को जोड़ेगा, जिससे युवाओं को रोजगार के साथ-साथ प्रशिक्षण और तकनीकी अनुभव के अवसर भी मिलेंगे।

श्री राजनाथ सिंह ने पिछले दस वर्षों में औद्योगिक क्रांति में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना की। उन्होंने कहा कि बेहतर कानून-व्यवस्था से निवेशकों का विश्वास बढ़ा है और राज्य में कारखाने, आईटी हब और अनुसंधान केंद्र स्थापित हो रहे हैं, जो देश का विकास इंजन बन गया है।

आज भारत की बदली हुई मानसिकता की सराहना करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि हम एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं और मेक-इन-इंडिया से आगे बढ़कर भारत में डिजाइन, विकास और वितरण की ओर बढ़ गए हैं। उन्होंने रक्षा उत्पादन और अनुसंधान में निजी क्षेत्र द्वारा निभाई गई प्रमुख भूमिका का भी उल्लेख किया और विश्वास व्यक्त किया कि यदि उद्योग और सरकार मिलकर काम करें तो कोई भी लक्ष्य संभव है।

श्री राजनाथ सिंह ने युवाओं, नवप्रवर्तकों, एमएसएमई और स्टार्ट-अप्स से रक्षा क्षेत्र में मौजूद संभावनाओं का लाभ केवल व्यावसायिक अवसरों के रूप में ही नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी के रूप में उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज किए जा रहे कार्य नवप्रवर्तकों की नई पीढ़ी को प्रेरित करेंगे। उन्होंने रक्षा निर्माण में सार्वजनिक-निजी भागीदारी में हुई प्रगति की सराहना की और भारत के रक्षा एवं एयरोस्पेस क्षेत्र के हितधारकों को सरकारी नीतिगत समर्थन और सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने सभी हितधारकों से नवाचार, समर्पण और जुनून के माध्यम से भारत को एक वैश्विक रक्षा निर्माण केंद्र बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने का आह्वान किया।

इससे पहले, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव एवं डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत और महानिदेशक (ब्रह्मोस) डॉ. जयतीर्थ आर. जोशी के साथ सामरिक सामग्री प्रौद्योगिकी परिसर का दौरा किया। रक्षा मंत्री और गणमान्य व्यक्तियों को पीटीसी इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री सचिन अग्रवाल ने परिसर की सुविधाओं के बारे में जानकारी दी।

पीटीसी इंडस्ट्रीज लिमिटेड और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) के बीच मिसाइलों, यूएवी और लोइटरिंग हथियारों के लिए प्रणोदन प्रणालियों, निर्देशित बमों और छोटे एयरोइंजनों के डिजाइन, विकास और निर्माण हेतु एक संयुक्त उद्यम बनाने हेतु एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए।

शंघाई-दिल्ली डायरेक्ट फ्लाइट्स फिर से शुरू

चीन ईस्टर्न एयरलाइंस 9 नवंबर से शंघाई और नई दिल्ली के बीच राउंड-ट्रिप फ्लाइट्स दोबारा शुरू कर रही है। यह कदम भारत और चीन के बीच हवाई संपर्क और संबंधों को सामान्य करने की दिशा में महत्वपूर्ण

माना जा रहा है।

इन फ्लाइट्स का संचालन हर बुधवार, शनिवार और रविवार को होगा। शंघाई के पुदोंग एयरपोर्ट से नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए उड़ान शुरू होगी। इसके लिए एयरलाइंस में टिकट बिक्री शुरू हो गई है।

दिल्ली में सांसदों के फ्लैट में भीषण आग से मचा हड़कंप! स्थिति पर काबू पाने में जुटी फायर ब्रिगेड की गाड़ियां

(जीएनएस)।

रोड स्थित ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट में शनिवार, 18 अक्टूबर की दोपहर अचानक आग लग गई। यह अपार्टमेंट सांसदों और उनके स्टाफ के लिए आवासीय फ्लैट्स के रूप में बनाया गया है। यह रेजिडेंसियल आवास संसद भवन से करीब 200 मीटर की ही दूरी पर स्थित है।

आग की सूचना मिलने के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि फायर ब्रिगेड को सूचना देने के बावजूद टीम को घटनास्थल पर आने में देरी हुई, जिससे स्थिति और नाजुक हो गई।

कैसे हुआ हादसा?

दिल्ली फायर सर्विसेज के अधिकारियों के अनुसार, दोपहर लगभग 1:22 बजे आग लगने की सूचना मिली। जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड ने तुरंत 6 गाड़ियों को घटनास्थल पर रवाना किया। आग 4 मंजिला अपार्टमेंट में फैल गई थी, जिसमें कई सांसदों और उनके स्टाफ के फ्लैट शामिल थे।

अधिकारियों ने बताया कि फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने में जुटी हुई है। हालांकि, स्थानीय निवासियों ने प्रशासन की प्रतिक्रिया पर सवाल उठाए और कहा कि यदि फायर ब्रिगेड तुरंत पहुंच जाती, तो नुकसान कम हो सकता था।

स्थानीय लोगों ने बताया कि आग लगने के दौरान काफी धुआँ और जलने की गंध पूरे इलाके में फैल गई। कई लोगों ने अपने घरों से बाहर निकलकर पड़ोसियों की मदद की। घटना के समय अपार्टमेंट में कुछ सांसदों और उनके स्टाफ के फ्लैट में लोग मौजूद थे, लेकिन किसी के घायल होने की खबर अभी तक नहीं मिली है।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने उतर प्रदेश के देवरिया में किया किसान मेले का उद्घाटन

(जीएनएस)।

देवरिया जनपद के आचार्य नरेंद्र देव इंटर कॉलेज, पथरदेवा में आज भारतीय जनसंघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व मंत्री स्व. रविंद्र किशोर शाही की 43वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा के साथ ही आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला, स्वास्थ्य शिविर और प्रदर्शनी का उद्घाटन केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने स्व. शाही जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

यहां अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि स्व. रविंद्र किशोर शाही जी भारतीय जनसंघ के उन प्रखर नेताओं में से थे, जिन्होंने संगठन की नींव गांव-गांव तक मजबूत की। स्व. शाही जी ने राजनीति को सेवा का माध्यम बनाया

और अपने जीवन को समाजसेवा एवं राष्ट्रहित के कार्यों के लिए समर्पित किया। वे कर्मठ संगठनकर्ता, संवेदनशील समाजसेवी और सच्चे जननेता थे, जिनके विचार आज भी कार्यकताओं को प्रेरणा प्रदान करते हैं। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि स्व. शाही जी ने किसानों, मजदूरों, युवाओं और आम नागरिकों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं शुरू की। उन्होंने जनसंघ तथा बाद में भारतीय जनता पार्टी के संगठन को निचले स्तर तक विस्तारित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में, आत्मनिर्भर भारत निर्माण की दिशा में हो रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा सरकार किसानों को सशक्त बनाने और कृषि क्षेत्र को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि स्व. शाही जी का सपना 'आत्मनिर्भर किसान और सशक्त भारत' था, जिसे साकार करने की दिशा में केंद्र सरकार लगातार कार्य कर रही है।

चुनाव से पहले पूरी तरह से दरका महागठबंधन, 6 सीटों पर जेएमएम का अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान

(जीएनएस)।

बिहार में विधानसभा चुनाव के लिए संग्राम जारी है, लेकिन इस बीच महागठबंधन में भी दरार पड़ चुकी है। 10 सीटों पर घटक दल आमने-सामने ही है। इधर गठबंधन की एक ओर पार्टी ने अलग होने का ऐलान कर दिया है। झारखंड की प्रमुख पार्टी झामुमो ने ऐलान कर दिया है कि वह 6 सीटों पर अकेले ही चुनाव लड़ेगी। झामुमो प्रमुख हेमंत सोरेन ने कहा कि उनकी पार्टी बिहार विधानसभा चुनाव में अकेले अपने दम पर उतरेगी।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के इस फैसले से राजद और महागठबंधन को बड़ा झटका लग सकता है। इन 6 सीटों पर आदिवासी वोटों की अच्छी संख्या है और अगर यहां वोट बंटते हैं, तो इसका सीधा फायदा एनडीए को मिल सकता है। इस वजह से महागठबंधन के उम्मीदवारों के वोट कटने की पूरी आशंका है।

- बिहार विधानसभा के लिए दो चरणों में, 6 नवंबर और 11 नवंबर को मतदान होना है। मतगणना 14 नवंबर को होगी। झामुमो के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि कुछ दिन पहले पटना में लंबी चर्चा हुई थी। हमने इंडिया गठबंधन में चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की थी।
- हालांकि, अब तक महागठबंधन में औपचारिक तौर पर सीटों का ऐलान नहीं हुआ है। अब झामुमो ने ऐलान कर दिया है कि 6 सीटों पर अकेले ही चुनाव लड़ेगी। चकाई, धमदाहा, कटोरिया, पिरपैंती, मनीहारी, जमुई पर जेएमएम अपने उम्मीदवार का ऐलान एक-दो दिनों में कर सकती है।

महागठबंधन में सीट शेयरिंग पर कांग्रेस-आरजेडी और वीआईपी के बीच जमकर तकरार चल रही है। जेएमएम ने भी सीट शेयरिंग पर बात नहीं बनने के बाद अब अकेले लड़ने का ऐलान कर दिया है।

विशेष अभियान 5.0 के तहत शास्त्री भवन के बाहर स्वच्छता अभियान चलाया गया

विधि और न्याय मंत्रालय के विधायी विभाग द्वारा विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत की जा रही विभिन्न पहलों के तहत 18 अक्टूबर को शास्त्री भवन के बाहर परिसर में स्वच्छता अभियान का

आयोजन किया गया।

यह अभियान श्री आर.के.पटनायक, अपर सचिव एवं नोडल अधिकारी तथा श्रीमती राखी बिस्वास, अवर सचिव के मार्गदर्शन में विभाग के अधिकारियों और सफाई कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के साथ चलाया गया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट-रोड नेटवर्क द्वारा विकसित गुजरात से साकार करने की दिशा में 124 कार्यों के लिए 7737 करोड़ रुपए आवंटित किए

गांधीनगर, 18 अक्टूबर:मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर को अधिक संगीन तथा सुविधायुक्त बनाकर ईज ऑफ ट्रांसपोर्टेशन से विकसित गुजरात द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का दृढ़ निश्चय किया है।

मुख्यमंत्री ने इस उद्देश्य से सड़क एवं भवन विभाग को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत कुल 124 कार्यों के लिए 7737 करोड़ रुपए आवंटित करने का निर्णय किया है।

उन्होंने विकास के लिए सड़कों व पुलों की महत्ता को ध्यान में लेते हुए सड़क एवं भवन विभाग को समग्र गुजरात को सुविधापूर्ण एवं सुरक्षित सड़क मार्गों की कनेक्टिविटी द्वारा सुदूरवर्ती क्षेत्रों तक सुदृढ़ सड़कों का नेटवर्क प्रदान करने के दिशा-निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्य में भारी ट्रैफिक वाले सड़क मार्गों को गरवी गुजरात हाईस्पीड कॉरिडोर के रूप में विकसित कर अधिक सरल, सुरक्षित तथा तेज परिवहन के योग्य बनाने के लिए 809 किलोमीटर लंबे 9 गरवी गुजरात हाईस्पीड कॉरिडोर के निमार्णार्थ 5576 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं।

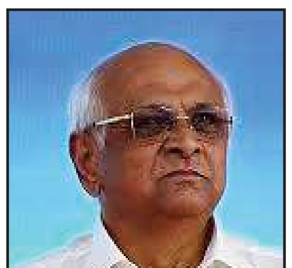

तद्अनुसार; बगोदरा-धंधुका-बरवाळा-बोटाद के 92.23 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के लिए 67.43 करोड़ रुपए, बोटाद-ढसा-चावंड-अमरेली-बगसरा-बिलखा-मेंदरडा के 67.30 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के लिए 158.6 करोड़ रुपए, मेंदरडा-केशोद-मांगरोळ के 48.55 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के लिए 81.38 करोड़ रुपए, उंझा-पाटण-शिहोरी-दियोदर-भाभर के 105.05 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के लिए 858.39 करोड़ रुपए, करजण-डभोई-बोडेली के 71.10 किलोमीट लंबे कॉरिडोर के लिए 331.16 करोड़ रुपए, दहेगाम-बायड-लुणावाडा-संतरामपुर-झालोद के 167.54 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के लिए 1514.41 करोड़ रुपए, अहमदाबाद-हरसोल-गांभोई-विजयनगर के 143.30 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के लिए 640.30 करोड़ रुपए, संतरामपुर-मोरवा हडफ-संत रोड के 49.90 लंबे कॉरिडोर के लिए 861.71 करोड़ रुपए तथा संत रोड-देवगढ बारिया-छोटा उदेपुर के 64.05 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के लिए 1062.82 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं।

इन नए हाईस्पीड कॉरिडोर का निर्माण होने से परिवहन अधिक तेज बनेगा तथा पीएम गतिशक्ति अंतर्गत लॉजिस्टिक्स कार्यक्षमता में सुधार होगा और खर्च में उल्लेखनीय कमी आएगी।

सम्पादकीय

कर्तव्य बोध के साथ मिलेगा कई समस्याओं का समाधान

दीपावली पर्व के पूर्व धनतेरस के अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा और गाजियाबाद की सड़वें निजी वाहनों से भरी पड़ी हैं। जाम इतना भयंकर लगा हुआ है कि कारें, मोटरसाइकिल, बसें सभी रेंग रही हैं। इस जाम में यदि मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने के लिए एम्बुलेंस पंस जाए तो मरीज की जान बच पाना असंभव है।

दरअसल धार्मिक त्यौहारों को सामाजिक प्रातिष्ठा से जोड़कर जब से व्यवसायीकरण हुआ तभी से भीड़भाड़ और चमक दमक की नईं संस्वृति की शुरूआत हुई है।

अर्थव्यवस्था के लिए तो हर धार्मिक त्यौहार लाभकारी ही सिद्ध होता किन्तु दीपावली का महत्व विशेष होता है। जहां तक ट्रैफिक जाम का सवाल है तो इसके दो ही कारण होते हैं, पहला यह कि सड़कों का टोटा हो और दूसरा यह है कि अप्रात्याशित रूप से निजी वाहन सड़कों पर आ जाएं। भारत में सड़कों की तो कमी है नहीं बल्कि तुलनात्मक दृष्टि से दस साल पहले की अपेक्षा आज देश भर में सड़कों का जाल बढ़ा है। इसका मतलब है कि सड़कों पर निजी वाहनों की संख्या निरंतर बढ़ रही हैं। इसका स्पष्ट संकेत है कि प्रात्यक्ष रूप से भारत में समृद्धि लगातार बढ़ रही है। इसलिए त्यौहारों में खरीददारी भी बढ़ रही है। यह तो संतोष एवं सुखद है कि दीपावली में लोग अपने स्वजनों एवं मित्रों को उपहार भेंट करने के लिए खुद ही निकल पड़ते हैं और यह जानते हुए कि सड़कों पर चलना अत्यन्त मुश्किल है। मजे की बात तो यह है कि जो लोग भी ट्रैफिक जाम में पंसते हैं, वह इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि त्यौहारों में ट्रैफिक मैनेजमेंट की पोल-पट्टी खुल जाती है, फिर भी वह सार्वजनिक परिवहन के बजाए अपने ही वाहन का इस्तेमाल करते हैं। आज कल इतनी सुविधाएं हो चुकी हैं कि बिना घर से निकले भी उपहार अपने सहृदयों को भेजना संभव है। यदि उपहार भेजना ही है तो तमाम ऐप मौजूद हैं, उनका इस्तेमाल करना चाहिए। संभव है, इससे सड़कों पर त्यौहारों का उपहार बांटने वालों की संख्या में कमी आ जाए।

सड़कों की सुविधाएं जैसे-जैसे बढ़ रही हैं, भीड़ भी बढ़ती जा रही हैं, तो सरकार के लिए बहुत बड़ी चुनौती इस बात की है कि आखिर जरूरतों का आंकलन करके जाम से मुक्ति दिलाने के तरीकों का सुचारू इस्तेमाल वैसे करें। हो सके तो इसनी संदर्भ में विज्ञापन का प्रासारण करें जिसमें इस बात का उल्लेख हो कि उपहार देने के लिए पोर्टर या ऐप का इस्तेमाल करें। और यात्रा अपरिहार्य हो तो सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें। इस विज्ञापन को सरकार प्राकाशित एवं प्रासारित कराए ताकि लोगों में यह भावना पैदा हो कि त्यौहार के कारण सड़कों पर जाम की वजह से वाहन में ज्यादा खपत तेलों की होती ही है, साथ ही वाहन यात्रियों की सुरक्षा भी प्राभावित होती है।

बहरहाल जरूरत के मुताबिक सड़कों का विस्तार तो हो रहा है या यूं कहा जा सकता है कि हो गया है किन्तु जब तक लोगों में इस बात की चेतना नहीं आएगी कि उसके भी सुचारू ट्रैफिक के लिए वुछ कर्तव्य हैं, तब तक ट्रैफिक संतुलन संभव नहीं है। इसी तरह सड़कों पर निकली कारें, मोटरसाइकलों सड़कों पर रेंगेंगी और लोग घंटो जाम में पंसे रहेंगे। इसलिए सुचारू ट्रैपिक के लिए नागरिकों में कर्तव्य बोध का होना अनिवार्य है। यह कर्तव्य बोध देश के राष्ट्रीय चरित्र में शामिल होने के बाद ही ट्रैफिक जाम पर नियंत्रण हासिल किया जा सकता है। लब्बोलुआब यह है कि नागरिक अपना कर्तव्य समझें और सरकार समाज में जागरूकता लाने के लिए सव्रियता पैदा करने का प्रायास करें। समय के साथ प्राथाओं का प्राचलन स्वीकार करें। देश के नागरिकों को

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने गोरखपुर के ग्राम डुमरीखुर्द में लगाई 'ग्राम चौपाल'

बड़ी संख्या में किसान भाई-बहनों, स्वयं सहायता समूह की दीदियों, पंचायत प्रतिनिधियों ने की भागीदारी

केंद्रीय मंत्री ने किसान भाई-बहनों से खेती के अलावा पशुपालन, मत्स्यपालन और मधुमक्खी पालन को अपनाने का आह्वान किया

जनता और मंत्री मिलकर काम करे तो व्यापक बदलाव आ सकता है: श्री शिवराज सिंह चौहान

कृषि यंत्रों पर जीएसटी दरों में सुधार से किसानों को सीधा आर्थिक लाभ मिला: श्री चौहान

(एजेंसी)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज गोरखपुर, उत्तर प्रदेश के ग्राम डुमरीखुर्द में आयोजित 'ग्राम चौपाल' में ग्रामीण भाई-बहनों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण निवासी, किसान भाई-बहन, स्वयं सहायता समूह की दीदियों और पंचायत प्रतिनिधियों ने भागादारी की।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों के हित में केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के संयुक्त प्रयासों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि सरकार उत्पादन बढ़ाने, बेहतर बीज उपलब्ध कराने और लागत घटाने के लिए लगातार कदम उठा रही है। केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसल के नुकसान की भरपाई का आश्वासन दिया। उन्होंने किसानों से बातचीत करते हुए प्रमुख फसलों, उत्पादन लागत और स्थानीय खाद्य की दुकानों की आवश्यकता जैसे मुद्दे की भी जानकारी ली।

श्री चौहान ने केंद्र सरकार के दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के तहत मसूर और चना के उत्पादन बढ़ाने की पहल से अवगत कराया और किसानों के सुझाव भी मांगे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष केंद्र सरकार ने रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (टरढ) में वृद्धि की है जिससे किसानों को लाभ होगा। विशेष रूप से गेहूं, चना, मसूर और सरसों की एमएसपी में वृद्धि की जानकारी भी दी।

श्री शिवराज सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जीएसटी दरों में सुधार के बाद कृषि यंत्रों पर जीएसटी 12% और 18% से घटाकर 5% कर दी गई है, जिससे किसानों को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने किसान भाई-बहनों को खेती के अलावा पशुपालन, मत्स्यपालन, मधुमक्खी पालन और बागवानी के लिए भी प्रेरित किया। पशुओं के टीकाकरण के लिए चल रही सरकारी योजनाओं की जानकारी भी साझा की।

इस 'ग्राम चौपाल' में बड़ी संख्या में किसान, स्वयं-सहायता समूह की दीदियां और पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित थे, जिन्होंने केंद्रीय मंत्री श्री चौहान से अपनी समस्याएं और सुझाव साझा किए। कार्यक्रम के अंत में श्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्रामीण विकास और कृषि समृद्धि के लिए सभी से सहयोग एवं भागीदारी की अपील की।

मिशन मोड में प्रगति: डाक विभाग में विशेष अभियान 5.0 के मध्य चरण तक की उपलब्धियां

(एजेंसी)।

संचार मंत्रालय के अंतर्गत डाक विभाग ने देश भर के डाक प्रतिष्ठानों में क्रियान्वित किए जा रहे विशेष अभियान 5.0 के मध्य चरण तक उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है।

इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छता को संस्थागत बनाना, लंबित मामलों को कम करना तथा कुशल रिकॉर्ड प्रबंधन को बढ़ावा देना है। इस अभियान में डाक सर्किलों, क्षेत्रीय कार्यालयों, डाक प्रभागों, छंटाई कार्यालयों तथा प्रधान डाकघरों से लेकर शाखा डाकघरों तक सभी स्तरों के डाकघरों से उत्साहपूर्ण भागीदारी प्राप्त हुई है।

अभियान के अंतर्गत अब तक हुई प्रगति इस प्रकार है:

- स्वच्छता अभियान: कुल 1,25,000 में से लगभग 47,358 डाक स्थलों को स्वच्छता गतिविधियों के अंतर्गत कवर किया गया है। इससे स्वच्छ, बेहतर रूप से संगठित और अधिक नागरिक-अनुकूल वातावरण सुनिश्चित हुआ है।
- डाक चौपाल: डाक चौपाल नागरिक-केंद्रित पहल है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी सेवाएं नागरिकों के द्वार तक पहुंचें, अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें और सामुदायिक सहभागिता के प्रति प्रतिबद्धता के साथ प्रभावी सेवा वितरण को बढ़ावा दें। अब तक देश भर में लगभग 4,952 डाक चौपालों का आयोजन किया जा चुका है।
- लंबित फाइलों की छंटाई/निपटान: लगभग 32,249 भौतिक फाइलों की समीक्षा की गई है और 7,611 फाइलों को छांट दिया गया है या बंद कर दिया गया है। इससे कार्यालय की दक्षता में सुधार हुआ है।
- लोक शिकायत निवारण: 57,961 से अधिक लंबित लोक शिकायतों और अपीलों का समाधान किया गया है। इससे उत्तरदायी शासन के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता मजबूत हुई है।
- स्थान प्रबंधन: रिकॉर्ड प्रबंधन/डिजिटलीकरण और अप्रचलित सामग्रियों को हटाने के माध्यम से लगभग 13,049 वर्ग फुट स्थान खाली किया गया है।
- स्क्रैप निपटान से राजस्व: अनुपयोगी वस्तुओं और स्क्रैप सामग्री की बिक्री से 32,48,216 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

सौंदर्यीकरण अभियान के तहत, देश भर के डाकघरों ने अपने परिसरों को स्वच्छता, डाक विरासत और जन जागरूकता के विषयों को दशार्ती जीवंत दीवार कलाकृतियों से सजाया है । इन रचनात्मक प्रदर्शनों ने न केवल कार्यालय परिसरों के सौंदर्य को बढ़ाया है, बल्कि नागरिकों और कर्मचारियों के बीच स्वच्छता का संदेश फैलाने के प्रभावी माध्यम के रूप में भी काम किया है।

इसके अलावा, सर्किल्स ने "बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट" के भाग के रूप में अपशिष्ट पदार्थों से सजावटी वस्तुएं बनाने में गहरी रुचि ली है। साथ ही रीसाइक्लिंग और अपसाइक्लिंग के महत्व पर जोर दिया है।

अभियान का दूसरा भाग अब तक प्राप्त लाभों को समेकित करने, स्वच्छता प्रथाओं की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने तथा डाक विभाग में जवाबदेही और दक्षता की संस्कृति को मजबूत करने पर केंद्रित होगा।

'कांतारा: चैप्टर 1' की जबरदस्त सफलता पर अभिनेता ऋषभ शेट्टी पहुंचे बिहार में स्थित दुनिया के सबसे पुराने मुंडेश्वरी मंदिर!

फिल्म अभिनेता ऋषभ शेट्टी पहुंचे दुनिया के सबसे पुराने मुंडेश्वरी मंदिर, कांतारा: चैप्टर 1 की सफलता के लिए कहा धन्यवाद

क्या आपको पता था कि दुनिया का सबसे पुराना मंदिर बिहार में स्थित है।

मुम्बई, होम्बले फिल्म्स की कांतारा: चैप्टर 1 लगातार सफलता के नए रिकॉर्ड बना रही है। हर गुजरते दिन के साथ इसकी लोकप्रियता और बढ़ती जा रही है। देशभर के दर्शकों से मिल रहे जबरदस्त प्यार और तारीफों के बीच, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है और अपनी जगह एक बड़ी हिट के रूप में पक्की कर चुकी है।

फिल्म की लगातार चल रही जबरदस्त सफलता के बीच, ऋषभ शेट्टी दुनिया के सबसे पुराने मंदिर, मुंडेश्वरी मंदिर, पहुंचे। फिल्म को भारी सफलता मिल रही है, ऐसे में ऋषभ शेट्टी ने इस जबरदस्त रिस्पॉन्स के लिए भगवान का धन्यवाद अर्पित करने के लिए उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने माता मुंडेश्वरी का अभिषेक भी किया और मंदिर की आध्यात्मिक ऊर्जा को महसूस किया।

कांतारा: चैप्टर 1 होम्बले फिल्म्स की सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। इस फिल्म की क्रिएटिव टीम में म्यूजिक डायरेक्टर बी. अजनीश लोकनाथ, सिनेमैटोग्राफर अरविंद कश्यप और प्रोडक्शन डिजाइनर विनेश बंग्लान शामिल हैं, जिन्होंने मिलकर फिल्म की दमदार विजुअल और भावनात्मक कहानी को आकार दिया है।

यह फिल्म 2 अक्टूबर को दुनिया भर में कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, मलयालम, तमिल, बंगाली और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज हो चुकी है। यह अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए भी अलग-अलग भाषाओं और क्षेत्रों के दर्शकों तक पहुँचेगी।

फिल्म 'कांतारा: चैप्टर 1' के साथ, होम्बले फिल्म्स भारतीय सिनेमा की सीमाओं को आगे बढ़ा रही है। यह फिल्म लोककथाओं, आस्था और सिनेमा की शानदार कारीगरी का जश्न मनाती है।

वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में पीएनबी का शुद्ध लाभ 14 फीसदी बढ़ा

लखनऊ, 18 अक्टूबर, सार्वजनिक क्षेत्र में देश के अग्रणी बैंकों में से एक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में वर्ष दर वर्ष आधार पर 14 फीसदी बढ़ा है।

वित्तीय परिणामों का एलान करते हुए पीएनबी के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अशोक चंद्र ने बताया वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में बैंक को 4904 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में हुए शुद्ध लाभ 4303 करोड़ रुपए से 14 फीसदी अधिक है। पीएनबी के परिचालन लाभ में वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में 5.5 फीसदी की वृद्धि वर्ष दर वर्ष आधार पर हुयी है। बैंक का सकल एनपीए में सुधार के साथ वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में वर्ष दर वर्ष आधार पर 3.45 फीसदी रहा है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 4.48 फीसदी था। वहीं शुद्ध एनपीए गठकर 0.36 फीसदी पर आ गया है जो पिछले साल इसी अवधि में 0.46 फीसदी था।

पीएनबी एमडी एवं सीईओ ने बताया बैंक का वैश्विक बिजनेस वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में वर्ष दर वर्ष आधार पर 10.6 फीसदी बढ़कर सितंबर 2025 को 2786673 करोड़ रुपए हो गया जोकि सितंबर 2024 में 2520246 करोड़ रुपए था। वैश्विक जमाराशियों में वर्ष दर वर्ष आधार पर 10.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गयी है। वैश्विक अग्रिम 10.1 फीसदी बढ़ा है। रैम अग्रिमों में वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में वर्ष दर वर्ष आधार पर 12.7 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी है। बैंक का ऋण-जमा अनुपात वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में 72.33 फीसदी हो गया है जोकि पहली तिमाही में 71.09 फीसदी था।

वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में वर्ष दर वर्ष आधार पर बचत खाते में जमाराशियां 4.2 फीसदी व चालू खाते में 9 फीसदी बढ़ी हैं।

नीतीश के ये 5 मंत्री हैं अथाह संपत्ति के मालिक, किसी के पास करोड़ों का फ्लैट, किसी की पत्नी निकली अमीर

(एजेंसी)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए नेताओं ने अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल कर दिए हैं। इसके साथ ही सामने आए चुनावी हलफनामों ने सबका ध्यान खींच लिया है। नीतीश कुमार के मंत्रिमंडल में कई ऐसे मंत्री हैं जिनकी संपत्ति करोड़ों में है। किसी के पास लाखों का बैंक बैलेंस है तो किसी की पत्नी उनसे भी ज्यादा अमीर निकली हैं।

किसी के पास करोड़ों की जमीन, कीमती गहने और लाखों की गाड़ियां हैं। वहीं, कई मंत्रियों पर बैंक का कर्ज और मुकदमे भी दर्ज हैं। लेकिन जो बात सबसे हैरान करने वाली है, वो ये कि बिहार के "जनसेवक" अब करोड़ों की संपत्ति के मालिक बन चुके हैं। आइए जानते हैं, नीतीश सरकार के उन 5 मंत्रियों की संपत्ति का पूरा ब्योरा, जिनके हलफनामे ने लोगों को चौंका दिया है।

मंत्री विजय चौधरी - पत्नी निकलीं ज्यादा अमीर

बिहार सरकार में नंबर दो की हैसियत रखने वाले विजय कुमार चौधरी से ज्यादा अमीर उनकी पत्नी गंगा चौधरी हैं। सरायरंजन विधानसभा से नामांकन करने वाले 68 वर्षीय मंत्री के पास सिर्फ 75 हजार रुपये नकद हैं। बैंक में लगभग 15 लाख रुपये हैं,

जबकि उनकी पत्नी के पास ढाई लाख रुपये नकद और दो बैंक खातों में करीब 12.5 लाख रुपये हैं।

विजय चौधरी निवेश के भी शौकीन हैं। उन्होंने 77 लाख रुपये से ज्यादा का निवेश किया है, वहीं पत्नी ने भी वळक कउकउक और बिरला पॉलिसी में लाखों रुपये का निवेश कर रखा है। मंत्री के पास 60 हजार रुपये की पुरानी मारुति अल्टो है और करीब 10 ग्राम सोना। वहीं उनकी पत्नी के पास 240 ग्राम सोना यानी लगभग 27 लाख रुपये के गहने हैं। कुल मिलाकर, मंत्री के पास 1.09 करोड़ रुपये की संपत्ति है और पत्नी के पास 43 लाख से अधिक। पटना और गांव दोनों जगह पर इनके पास करोड़ों की जमीन और फ्लैट हैं।

जीवेश मिश्रा -10 करोड़ के मालिक

नगर विकास एवं आवास मंत्री जीवेश कुमार मिश्रा के पास करीब 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति है। जाले से चुनाव लड़ रहे जीवेश मिश्रा के पास 3 हजार नकद, 66 लाख रुपये बैंक बैलेंस, और 3 करोड़ की जमीन है। उनके पास 15 लाख का वाहन और 10 लाख का सोना है।

पत्नी के पास 2 करोड़ रुपये बैंक में, 38 लाख का वाहन और 11 लाख का सोना है। दोनों के नाम पर दरभंगा और आसपास 6 करोड़ रुपये की जमीन दर्ज है। इन पर लगभग 1 करोड़ का लोन भी है। मिश्रा दंपति के हलफनामे ने बिहार की राजनीति में हलचल मचा दी है क्योंकि इनकी संपत्ति 2020 की तुलना में कई गुना बढ़ी है।

संजय सरावगी -सोना, शेयर और करोड़ों की जमीन

राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी बिहार के सबसे अमीर मंत्रियों में शुमार हैं। उनके पास कुल 10 करोड़ रुपये से अधिक की चल-अचल संपत्ति है।

क्या आम्रपाली दुबे लेंगी राजनीति में एंट्री? सामने आया ऐसा सच, पवन सिंह को लेकर कही ऐसी बात

(एजेंसी)।

भोजपुरी सिनेमा की खूबसूरत और टैलेंटेड एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे न सिर्फ अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए जानी जाती हैं, बल्कि अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी अक्सर सुर्खियों में रहती हैं।

पॉलिटिकल करियर को लेकर बोलीं आम्रपाली दुबे

इस बार आम्रपाली दुबे अपनी फिल्मों या गानों को लेकर नहीं, बल्कि राजनीति में एंट्री को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में एबीपी न्यूज से बातचीत में एक्ट्रेस ने अपने पॉलिटिकल करियर को लेकर खुलकर बात की और बताया कि क्या वह भी अब भोजपुरी के बाकी कलाकारों की तरह राजनीति की राह पकड़ने वाली हैं।

राजनीति में आने के सवाल पर क्या बोलीं आम्रपाली दुबे?

-पिछले कुछ सालों में भोजपुरी इंडस्ट्री के कई बड़े नाम, रवि किशन, दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' और पवन सिंह, ने राजनीति में अपनी पहचान बनाई है। ऐसे में जब आम्रपाली दुबे से पूछा गया कि क्या वह भी राजनीति में कदम रखने का सोच रही हैं, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा- मैं ऐसे किसी फोन का जवाब नहीं देती जो राजनीति से जुड़ा हो, क्योंकि अभी मेरा पूरा फोकस एक्टिंग पर है।

-आम्रपाली दुबे ने आगे कहा- मुझे मेरा काम बेहद पसंद है और मैं

फिलहाल सिर्फ फिल्मों पर ध्यान दे रही हूं। हालांकि आम्रपाली दुबे ने ये भी जोड़ा कि भविष्य में अगर कभी उन्हें लगे कि राजनीति में जाना चाहिए, तो वो खुद इस बारे में खुलकर बताएंगी।

पवन सिंह को लेकर एक्ट्रेस ने क्या कहा?

-जब आम्रपाली दुबे से उनके को-स्टार पवन सिंह के राजनीति में शामिल होने की खबरों पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा- मुझे नहीं पता कि पवन सिंह विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं या नहीं। हां ये बात तो पहले से पता थी कि वो बीजेपी से जुड़ना चाहते थे, लेकिन राजनीति का योग बनना थोड़ा मुश्किल होता है।

-आम्रपाली दुबे ने ये भी कहा कि पवन सिंह हमेशा अपने काम को लेकर समर्पित रहते हैं और राजनीति में कदम रखने का फैसला पूरी तरह उनका निजी फैसला होगा।

-आम्रपाली दुबे भोजपुरी इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक हैं, जिन्होंने लगभग हर बड़े सुपरस्टार के साथ काम किया है। लेकिन फैंस को उनकी केमिस्ट्री सबसे ज्यादा दिनेश लाल यादव निरहुआ के साथ पसंद आती है।

-खबर है कि आम्रपाली दुबे और दिनेश लाल यादव निरहुआ जल्द ही एक बड़ी रोमांटिक फिल्म में फिर से साथ नजर आने वाले हैं। ये फिल्म एक भावनात्मक लव स्टोरी होगी, जिसे लेकर फैंस अभी से उत्साहित हैं। इसके अलावा आम्रपाली दुबे ने खुलासा किया कि उन्हें कुछ बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स के ऑफर भी मिल रहे हैं, जिन पर बातचीत जारी है।

'मैं पॉलिटिक्स से दूर रहना ही बेहतर समझती हूं'

-आम्रपाली दुबे ने इस बातचीत में साफ कर दिया कि फिलहाल उनका पूरा ध्यान अपने करियर और फिल्मों पर है। उन्होंने कहा है- मैं चाहती हूं कि मेरी ऑडियंस मुझे एक एक्ट्रेस के रूप में याद रखे, फिलहाल मैं पॉलिटिक्स से दूर रहना ही बेहतर समझती हूं। उनके इस बयान से साफ है कि वे अभी फिल्मी दुनिया में ही अपनी चमक बिखेरना चाहती हैं और राजनीति का सफर शायद भविष्य के किसी मोड़ पर शुरू हो।

-आम्रपाली दुबे ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वो सिर्फ स्क्रीन पर नहीं, बल्कि अपने विचारों में भी साफ और आत्मनिर्भर हैं। जब इंडस्ट्री के कई सितारे राजनीति में कदम रख रहे हैं, आम्रपाली दुबे का अपने प्रोफेशन के प्रति समर्पण उन्हें भीड़ से अलग बनाता है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

रेल मंत्रालय ने देवगढ़ मदारिया - मारवाड़ जंक्शन ब्रॉड गेज रेल लाइन के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे को दी मंजूरी

रेल मंत्रालय ने देवगढ़ मदारिया से मारवाड़ जंक्शन तक 72 किलोमीटर लंबी नई ब्रॉड गेज रेल लाइन के फाइनल लोकेशन सर्वे (ऋछर) को मंजूरी दे दी है। स्वीकृति पश्चात यह नई रेल लाइन परियोजना जोधपुर और बीकानेर से होकर चित्तौड़गढ़ और उदयपुर तक सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, जिससे यात्रा का समय और दूरी दोनों कम होंगे। यह नई ब्रॉड गेज रेल लिंक राजसमंद, उदयपुर और पाली जिलों में यात्रा समय को काफी कम करेगी और यात्री व माल ट्रेनों की क्षमता को बेहतर बनाएगी, इससे इन क्षेत्रों के उन हिस्सों तक भी आधुनिक रेल सुविधाएं पहुँचेंगी जहाँ अब तक यह सुविधाएं सीमित थीं। इसके माध्यम से, देवगढ़ मदारिया के किसानों की फसलें, जैसे फल और सब्जियाँ, मारवाड़ क्षेत्र के नए बाजारों तक पहुँच सकेंगी।

यह लाइन मारवाड़ क्षेत्र में तेज ट्रेनों के संचालन का मार्ग सुनिश्चित करेगी, जिससे पहले की धीमी और संकरी लाइनें तेज और अधिक सुगम संपर्क का मार्ग बन जाएँगी।

ये विकास कार्य दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे (उ्टक्ऊ) के रणनीतिक लक्ष्यों के अनुरूप हैं और विशेष रूप से जोधपुर-पाली औद्योगिक क्षेत्र के लिए लाभकारी साबित होंगे, जो पश्चिमी भारत में एक उभरता हुआ निर्माण और लॉजिस्टिक्स हब है। बेहतर रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर न केवल आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करेगी, बल्कि निवेश आकर्षित करेगी, व्यापार का विस्तार करेगी और औद्योगिक केंद्रों को देश भर के बंदरगाहों और बाजारों से अधिक कुशलता से जोड़ेगी।

पर्यटन की दृष्टि से भी इसका बड़ा लाभ होगा। इस मार्ग से कुंभलगढ़ किला, चारभुजा मंदिर और द्वारकाधीश मंदिर (कंकरोली) जैसे प्रसिद्ध धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों तक रेल के माध्यम से पहुँचना और आसान हो जाएगा। इससे क्षेत्र में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी और स्थानीय व्यापार को भी प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही, यह क्षेत्र संगमरमर, ग्रेनाइट और सीमेंट उद्योगों के लिए भी प्रसिद्ध है, जिन्हें भारतीय रेल के मिशन 3000 एमटी के तहत माल ढुलाई क्षमता के बढ़ने से बड़ा लाभ मिलेगा। इससे कच्चे माल और पूर्ण रूप से तैयार उत्पादों की ढुलाई तेज, अधिक विश्वसनीय और किफायती हो सकेगी। जिससे औद्योगिक विकास और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

मंजूरी मिलने के बाद इस परियोजना के साथ-साथ , ₹969 करोड़ की लागत से चल रही 82 किलोमीटर लंबी नाथद्वारा-देवगढ़ मदारिया ब्रॉडगेज परिवर्तन परियोजना भी क्षेत्र में महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक लाभ लेकर आएगी। यह परियोजना भील, गरासिया और सहारिया जनजाति समुदायों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगार के अवसरों तक पहुंच को बेहतर बनाकर उनके जीवन स्तर में सुधार करेगी।

अहमदाबाद स्टेशन पर भारी भीड़ प्रबंधन में अहमदाबाद मंडल की सफल तैयारी

अहमदाबाद के स्थानीय उद्योगों द्वारा बोनस वितरण के कारण अचानक उत्तर/पूर्व दिशा की ओर जाने वाले यात्रियों की संख्या में भारी वृद्धि देखी गई। अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर लगभग 20,000 अतिरिक्त यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस अप्रत्याशित चुनौती का पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल ने कुशलतापूर्वक सामना किया और एक सुव्यवस्थित तथा सुरक्षित भीड़ प्रबंधन योजना का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया।

यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए लगभग 1.5 किलोमीटर लंबा एकदिशीय मार्ग (वल्ल्रिी्रङ्म३ल्ल्लं' १ङ्म४३ी) तैयार किया गया और स्टेशन परिसर में एक बड़ा होल्डिंग एरिया विकसित किया गया। पूर्व दिशा की ओर जाने वाली सभी ट्रेनों का संचालन विशेष रूप से प्लेटफॉर्म नंबर 8 से किया गया, जिससे भीड़ को नियंत्रित तरीके से प्रवेश और निर्गमन का अवसर मिला।

ट्रेन-वार भीड़ प्रबंधनः

जनसाधारण एक्सप्रेसः लगभग 6,000 यात्री

पटना के लिए विशेष ट्रेनः लगभग 6,000 यात्री

अहमदाबाद-दरभंगा एक्सप्रेसः लगभग 3,000 यात्री

अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेसः लगभग 2,000 यात्री

अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेसः शेष लगभग 2,000-3,000 यात्रियों को समायोजित किया गया

यात्रियों की सुविधा हेतु स्टेशन पर पेयजल की व्यवस्था, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, प्राथमिक चिकित्सा सहायता और विशेष भीड़ नियंत्रण दल तैनात किए गए। इस पूरे अभियान में राज्य रिजर्व पुलिस (रफ्ढ) के 200 सदस्यीय बल का विशेष योगदान रहा। साथ ही, अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त एवं रेलवे के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अऊॠ) द्वारा त्वरित सहयोग प्रदान किया गया।

स्थानीय राज्य पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल (फढऋ) और सभी शाखा अधिकारियों (इड२) की सक्रिय भागीदारी के चलते यह संपूर्ण संचालन बिना किसी अप्रिय घटना के सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। यह उदाहरण दशार्ता है कि पश्चिम रेलवे का अहमदाबाद मंडल यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और कुशल संचालन के लिए हमेशा तत्पर और सक्षम है।मुंबई, 18 अक्टूबर, 2025

तीन ट्रेनों का व्यारा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए व्यारा स्टेशन पर तीन ट्रेनों का अतिरिक्त ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. 23 अक्टूबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09029 बांद्रा टर्मिनस-रीवा एक्सप्रेस (साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 09:38 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 09:40 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 24 अक्टूबर, 2025 को रीवा से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09030 रीवा-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस (साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 07:41 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 07:43 बजे प्रस्थान करेगी।

2. 25 अक्टूबर, 2025 को उधना से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09033 उधना-बरौनी एक्सप्रेस (द्वि-साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 21:03 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 21:05 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 27 अक्टूबर, 2025 को बरौनी से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09034 बरौनी-उधना एक्सप्रेस (द्वि-साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 17:56 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 17:58 बजे प्रस्थान करेगी।

3. 26 अक्टूबर, 2025 को उधना से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09069 उधना-समस्तीपुर एक्सप्रेस (साप्ताहिक) शुरू होकर व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 21:11 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 21:13 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 28 अक्टूबर, 2025 को समस्तीपुर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09070 समस्तीपुर-उधना एक्सप्रेस (साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 12:00 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 12:02 बजे प्रस्थान करेगी।

तीन ट्रेनों का व्यारा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए व्यारा स्टेशन पर तीन ट्रेनों का अतिरिक्त ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. 23 अक्टूबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09029 बांद्रा टर्मिनस-रीवा एक्सप्रेस (साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 09:38 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 09:40 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 24 अक्टूबर, 2025 को रीवा से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09030 रीवा-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस (साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 07:41 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 07:43 बजे प्रस्थान करेगी।

2. 25 अक्टूबर, 2025 को उधना से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09033 उधना-बरौनी एक्सप्रेस (द्वि-साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 21:03 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 21:05 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 27 अक्टूबर, 2025 को बरौनी से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09034 बरौनी-उधना एक्सप्रेस (द्वि-साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 17:56 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 17:58 बजे प्रस्थान करेगी।

3. 26 अक्टूबर, 2025 को उधना से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09069 उधना-समस्तीपुर एक्सप्रेस (साप्ताहिक) शुरू होकर व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 21:11 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 21:13 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 28 अक्टूबर, 2025 को समस्तीपुर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09070 समस्तीपुर-उधना एक्सप्रेस (साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 12:00 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 12:02 बजे प्रस्थान करेगी।

ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह 21 अक्टूबर, 2025 को पुलिस स्मृति दिवस पर नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे

पुलिस स्मृति दिवसः रक्षा मंत्री एनपीएम में पुष्पांजलि अर्पित करेंगे और 10 बहादुर पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि देंगे, जिन्होंने 1959 में लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स में भारी हथियारों से लैस चीनी सैनिकों द्वारा किए गए हमले में अपने प्राणों की आहुति दी

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह 21 अक्टूबर, 2025 को पुलिस स्मृति दिवस पर नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। 21 अक्टूबर, 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स में भारी हथियारों से लैस चीनी सैनिकों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में 10 बहादुर पुलिसकर्मियों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। हर साल 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और दिल्ली पुलिस की एक संयुक्त परेड भी आयोजित की जाएगी। रक्षा मंत्री, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री, पुलिस पृष्ठभूमि वाले सांसद, सीएपीएफ/सीपीओ के प्रमुख और अन्य लोग भी पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। सेवानिवृत्त महानिदेशक, पुलिस के अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। रक्षा मंत्री सभा को भी संबोधित करेंगे।

पुलिसकर्मियों के बलिदान और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं अखंडता की रक्षा में उनकी सर्वोच्च भूमिका के सम्मान में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पुलिस स्मृति दिवस 2018 पर नई दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक राष्ट्र को समर्पित किया था। इस संग्रहालय की संकल्पना भारत में पुलिस व्यवस्था पर एक ऐतिहासिक और विकासशील प्रदर्शनी के रूप में की गई है। यह सोमवार को छोड़कर सभी दिनों में आम लोगों के लिए खुला रहता है। केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) प्रत्येक शनिवार और रविवार शाम को सूर्यास्त से एक घंटा पहले राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर बैंड प्रदर्शन, परेड और रिट्रीट समारोह का आयोजन करते हैं।

यह स्मारक पुलिस बलों को राष्ट्रीय पहचान, गौरव, उद्देश्य की एकता, साझे इतिहास और नियति का बोध कराता है, साथ ही अपने प्राणों की आहुति देकर भी राष्ट्र की रक्षा करने की उनकी प्रतिबद्धता को दोहराता है। इसमें एक केंद्रीय मूर्ति, एक शौर्य दीवार और एक संग्रहालय शामिल है। केंद्रीय स्ॅ मारक, 30 फुट ऊंची ग्रेनाइट की एकाश्म प्रतिमा है, पुलिस कर्मियों की शक्ति, दृढ़ता और निस्वार्थ सेवा का प्रतीक है। शौर्य दीवार, जिस पर शहीदों के नाम लिखे हुए हैं, स्वतंत्रता के बाद से कर्तव्य पथ पर अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुलिस कर्मियों की बहादुरी और बलिदान की अटल स्ॅ मृति है।

स्मरणोत्सव के एक भाग के रूप में, सीएपीएफ/सीपीओएस 22 से 30 अक्टूबर तक राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं, जिनमें शहीदों के परिजनों से मुलाकात, पुलिस बैंड प्रदर्शन, मोटरसाइकिल रैलियां, शहीदों के लिए दौड़, रक्तदान शिविर, बच्चों के लिए निबंध/चित्रकला प्रतियोगिताएं और पुलिसकर्मियों के बलिदान, वीरता और सेवाओं को प्रदर्शित करने वाली वीडियो फिल्मों का प्रदर्शन शामिल हैं। इस अवधि के दौरान देश भर के सभी पुलिस बलों द्वारा इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

इंडिया एआई और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वास्तविक दुनिया में एआई स्वास्थ्य संबंधी सफलताओं को उजागर करने के लिए साझेदारी की;

केसबुक तैयार करने के लिए 31 अक्टूबर 2025 तक स्वास्थ्य प्रणालियों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभावशाली और स्केलेबल अनुप्रयोगों पर प्रकाश डालने वाले सारांश प्रस्तुत करने का आह्वान किया गया

अध्याय जमा करने की अंतिम तिथि 15 दिसंबर है, केसबुक का उद्देश्य वैश्विक दक्षिण में सफलतापूर्वक कार्यान्वित एआई समाधानों को दोहराना और उनका विस्तार करना है; चयनित प्रविष्टियां इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में प्रदर्शित होंगी

केसबुक नीति निमार्ताओं, नवप्रवर्तकों और शोधकताओं के लिए एक व्यापक संदर्भ के रूप में काम करेगी, ताकि वैश्विक दक्षिण में वास्तविक दुनिया के मापनीय और जिम्मेदार एआई स्वास्थ्य समाधानों को दोहराया जा सके और स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों में डिजिटल परिवर्तन में तेजी आए

(जीएनएस)।

भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के इंडिया-एआई मिशन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ॅ ल्ॅ यूएचओ) के सहयोग से स्वास्थ्य प्रणालियों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रभावशाली और स्केलेबल अनुप्रयोगों पर प्रकाश डालने वाले सार-संक्षेपों के लिए एक वैश्विक आह्वान की घोषणा की है। चयनित प्रविष्टियों को "वैश्विक दक्षिण में एआई स्वास्थ्य उपयोग के मामलों पर केसबुक" में एक अध्याय लिखने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इसका विमोचन फरवरी में नई दिल्ली में आयोजित होने वाले इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में किया जाएगा।

इंडिया-एआई और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा संयुक्त रूप से विकसित यह केसबुक वैश्विक दक्षिण में सफलतापूर्वक कार्यान्वित एआई समाधानों को दोहराने और उनका विस्तार करने की इच्छा रखने वाले नीति निमार्ताओं, नवप्रवर्तकों और शोधकर्ताओं के लिए एक व्यापक संदर्भ के रूप में काम करेगी। वास्तविक दुनिया के अनुभवों और सीखों को समाहित करने वाले इस केसबुक का उद्देश्य ज़िम्मेदार एआई अपनाने को मजबूत करना और स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों में डिजिटल परिवर्तन को गति देना है।

वैश्विक दक्षिण के शोधकर्ताओं, नवप्रवर्तकों और संस्थानों से 31 अक्टूबर 2025 तक स्वास्थ्य उपयोग के मामलों में सफल, कार्यान्वयन योग्य, स्केलेबल एआई पर सारांश (अधिकतम 250 शब्द) प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिशानिर्देश और आवेदन पत्र ३३स्र२://स्रू३.ल्ल्रं.्रल्ल५.ल्ल/ी५ील्ल३२ /६ॅ्र पर उपलब्ध हैं।

प्रासंगिकता, गुणवत्ता और केसबुक के लक्ष्यों के साथ संरेखण के आधार पर चुने गए योगदानकताओं को एआई समाधान, तैनाती रणनीति, नैतिक विचारों, प्राप्त प्रभाव और सीखे गए सबक का विवरण देते हुए पूर्ण अध्याय (2,500-3,000 शब्द) प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

महत्वपूर्ण तिथियां

सारांश प्रस्तुत करने की अंतिम तिथिः 31 अक्टूबर 2025

अध्याय प्रस्तुत करने की तिथिः 15 दिसम्ॅ बर 2025

इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में केसबुक का विमोचनः 19-20 फरवरी 2026

आवेदक प्रश्नों या स्पष्टीकरण के लिए ी''्रल्ल६३.ॅस्र२-ल्ल्रं@ी३८.्रल्ल५.ल्ल पर 'सारांश के लिए कॉल - प्रश्न - [लेखक का नाम]' विषय का उपयोग करते हुए मेल भेज सकते हैं।

भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष वापस लाने के लिए जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल रूस पहुंचे

कलमीकिया में पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी से भारत और रूस के बीच संबंध मजबूत होंगेः श्री मनोज सिन्हा

श्री सिन्हा ने उन्हें यह अवसर प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया

(जीएनएस)।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने कहा कि कलमीकिया में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी से भारत और रूस के लोगों के बीच आपसी संबंध मजबूत होंगे। "शाक्यमुनि बुद्ध के स्वर्ण निवास" के नाम से प्रसिद्ध प्रतिष्ठित गेडेन शेडुप चोइकोरलिंग मठ में स्थापित अवशेषों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि कलमीकिया में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी एक ऐतिहासिक घटना है जो यूरोप के एकमात्र बौद्ध राष्ट्र कलमीक लोगों के लिए आस्था की ऐतिहासिक घर वापसी का प्रतिनिधित्व करती है। यह भारत और रूस के बीच आध्यात्मिक मित्रता के एक शक्तिशाली सेतु के रूप में खड़ा है, जो सांस्कृतिक संबंधों में भारत के प्रयासों और बुद्ध की शिक्षाओं की एकीकृत शक्ति को प्रदर्शित करता है।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने पवित्र अवशेषों को "खटक" भेंट किया और मंदिर में एक दीप प्रज्वलित किया। उन्होंने बकुला रिनपोछे के समक्ष प्रार्थना की। श्री सिन्हा ने शाजिन लामा को एक कश्मीरी शॉल भेंट की और आशीर्वाद प्राप्त किया।

जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा शुक्रवार को भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों

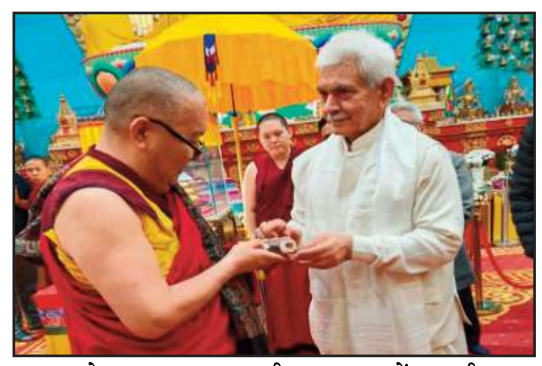

को भारत वापस लाने के लिए रूस पहुंचे। ये अवशेष कलमीकिया गणराज्य की राजधानी एलिस्टा में प्रदर्शित किए गए थे। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे श्री सिन्हा का स्वागत काल्मिकिया सरकार के प्रथम उप-सभापति त्सेरेनोव एर्दनी निकोलायेविच, उप-सभापति द्जाम्बिनोव ओचिर व्लादिमीरोविच और भारत के मिशन उप-प्रमुख श्री निखिलेश गिरि ने किया। प्रतिनिधिमंडल 19 अक्टूबर 2025 को पवित्र अवशेषों के साथ भारत वापस आएगा।

इससे पहले, श्री सिन्हा ने कलमीकिया के लिए अपने प्रस्थान की घोषणा करते हुए कहा कि वह भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को वापस लाने के लिए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। एक्स पर एक पोस्ट में, उपराज्यपाल कार्यालय ने लिखा, "रूस के कलमीकिया के लिए रवाना हो रहा हूँ, जहाँ मैं एक सप्ताह की प्रदर्शनी के बाद भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को वापस लाने के लिए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करूँगा। मैं इस पावन अवसर के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। 'ॐ नमो बुद्धाय'।"

आध्यात्मिक भक्ति और साझी सांस्कृतिक विरासत के एक सशक्त प्रदर्शन में, भारत से भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी को रूस के कलमीकिया गणराज्य में अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली है। अब तक, 90 हजार से ज्यादा श्रद्धालु प्रतिष्ठित गेडेन शेडुप चोइकोरलिंग मठ जिसे "शाक्यमुनि बुद्ध का स्वर्णिम निवास" के नाम से जाना जाता है, में स्थापित अवशेषों के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित कर चुके हैं।

भारत की राष्ट्रीय धरोहर माने जाने वाले इन पवित्र अवशेषों को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में वरिष्ठ भारतीय भिक्षुओं सहित एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा राजधानी एलिस्टा लाया गया। यह प्रतिनिधिमंडल कलमीकिया की बौद्ध बहुल आबादी के लिए विशेष धार्मिक सेवाएं और आशीर्वाद प्रदान कर रहा है। कलमीकिया यूरोप के एकमात्र ऐसा क्षेत्र है जहां बौद्ध धर्म प्रमुख धर्म है।

रूसी गणराज्य में अपनी तरह की पहली यह ऐतिहासिक प्रदर्शनी, भारत और रूस के बीच गहरे सभ्यतागत संबंधों का प्रमाण है। यह लद्दाख के श्रद्धेय बौद्ध भिक्षु और राजनयिक, 19वें कुशोक बकुला रिनपोछे की चिरस्थायी विरासत को पुनर्जीवित करता है, जिन्होंने मंगोलिया में बौद्ध धर्म को पुनर्जीवित करने और कलमीकिया, बुरातिया और तुवा जैसे रूसी क्षेत्रों में बौद्ध धर्म में रुचि जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

इस कार्यक्रम का आयोजन भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के बौद्ध/तिब्बती संस्कृति (बीटीआई) अनुभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी), राष्ट्रीय संग्रहालय और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के सहयोग से किया गया है। यह प्रदर्शनी राजधानी एलिस्टा में 18 अक्टूबर, 2025 तक जारी रहेगी।

लेफ्टिनेंट जनरल सीजी मुरलीधरन ने चिकित्सा सेवा महानिदेशक (सेना) का पदभार ग्रहण किया

(जीएनएस)।

लेफ्टिनेंट जनरल सी. जी. मुरलीधरन ने लेफ्टिनेंट जनरल साधना एस. नायर, एवीएसएम, वीएसएम से चिकित्सा सेवा महानिदेशक (सेना) का पदभार ग्रहण किया है। लेफ्टिनेंट जनरल साधना एस. नायर राष्ट्र को चार दशकों से अधिक की विशिष्ट सेवा प्रदान करने के बाद 30 सितंबर, 2025 को सेवानिवृत्त हो गईं।

लेफ्टिनेंट जनरल मुरलीधरन प्रतिष्ठित सशस्त्र बल चिकित्सा महाविद्यालय (एएफएमसी), पुणे के पूर्व छात्र रहे हैं। उनको वर्ष 1987 में सेना चिकित्सा कोर में कमीशन प्रदान किया गया था। एक प्रतिष्ठित रेडियोलॉजिस्ट के रूप में, जनरल अधिकारी का कैरियर उत्कृष्ट रहा है, जिसमें कमान, कार्मिक और प्रशिक्षण संबंधी नियुक्तियों का संतुलित अनुभव शामिल है। उन्होंने उत्तरी एवं पश्चिमी युद्ध क्षेत्र में विभिन्न चिकित्सा प्रतिष्ठानों में सेवा दी है और विविध परिचालन तथा प्रशासनिक परिस्थितियों में समृद्ध अनुभव अर्जित किया है।

सेना चिकित्सा सेवा के प्रमुख के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल मुरलीधरन का मुख्य ध्यान सेवारत कार्मिकों, भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए समग्र, सुलभ एवं उच्च-गुणवत्ता वाली चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने पर केंद्रित होगा।

सीएसएल, कोच्चि में 528 (मगदाला) द्वारा छठे एएसडब्ल्यू एसडब्ल्यूसी का जलावतरण

(जीएनएस)।

आठ पनडुब्बी रोधी युद्ध शैलो वाटर क्राफ्ट (एएसडब्ल्यू एसडब्ल्यूसी) की श्रृंखला का छठा पोत बीवाई 528 (मगदाला), 18 अक्टूबर, 2025 को कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल), कोच्चि में सफलतापूर्वक जलावतरित किया गया।

नौसेना की गौरवशाली समुद्री परंपराओं का पालन करते हुए जहाज मगदाला का जलावतरण श्रीमती रेणु राजाराम द्वारा वाइस एडमिरल राजाराम स्वामीनाथन, चीफ ऑफ मटेरियल (सीडब्ल्यूपी एंड ए) तथा भारतीय नौसेना और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

यह पोत कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित किया गया है। श्रृंखला के प्रथम जहाज की डिलीवरी अक्टूबर, 2025 के अंत तक प्रस्तावित है। एएसडब्ल्यू शैलो वाटर क्राफ्ट (एसडब्ल्यूसी) नौसेना की पानी के भीतर क्षेत्रीय जागरूकता, पनडुब्बी रोधी युद्धक क्षमता व बारूदी सुरंग बिछाने की दक्षता को और सुदृढ़ करेंगे। तीन डीजल इंजनों से संचालित जल जेट प्रणालियों से युक्त ये जहाज अत्याधुनिक सेंसर तथा हथियार प्रणालियों से सुसज्जित हैं, जिनमें हल-माउंटेड सोनार, लो फ्रीक्वेंसी वेरिएबल डेप्थ सोनार (एलएफवीडीएस), टॉरपीडो, पनडुब्बी रोधी रॉकेट, एनएसजी-30 गन और 12.7 मिमी स्टेबलाइज्ड रिमोट-कंट्रोल गन (एसआरसीजी) शामिल हैं। ये सभी उपकरण पोत की समुद्री निगरानी और हमलावर क्षमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाते हैं।

मगदाला का प्रक्षेपण जहाज-निर्माण, हथियार, सेंसर तथा उन्नत संचार व इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों में भारतीय नौसेना की आत्मनिर्भरता की सतत खोज में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। 80% से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ निर्मित पोत मगदाला हिंद महासागर क्षेत्र में हमारे राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा के लिए भारतीय नौसेना को निर्णायक और सतर्क क्षमताएं प्रदान करेगा।

एनयूजे प्रयागराज ने मनाया दीपावली महोत्सव

पत्रकार समाज को दिशा देता है:– डॉ सुशील कुमार सिन्हा

पत्रकार राष्टहित को सोचता है:–पवन दिवेदी

हर सदस्य के मान सम्मान का पूरा ध्यान रखा जा रहा:– कुन्दन श्रीवास्तव

नेशनल यूनियन आँफ जर्नलिस्ट इंडिया के प्रयागराज जिला इकाई ने आज अमर नाथ इंटर कालेज राजरूपपुर मे दीपावली महोत्सव आयोजन किया । कार्यॅक्रम मे मुख्य अतिथी प्रयाग राज के वरिष्ठ समाजसेवी तथा दूारिका अस्पताल के निदेशक डाँ सुशील कुमार सिन्हा थे। विशिष्ट अतिथी संगठन के वरिष्ठ संरक्षक पवन दिवेदी विशिष्ट अतिथी विधायक प्रतिनिधी अखिलेश श्रीवास्तव कार्यॅक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने किया।

कार्यॅक्रम मे मुख्य अतिथी डॉ सुशील कुमार सिन्हा ने अपनो हाथो से संगठन के सभी पदाधिकारियो तथा सदस्यो (पत्रकारो) को दिपावली उपहार दिया साथ ही दीपावली महोत्सव को सम्बोधित करते हुए कहाँ कि पत्रकार अपने खबरो के माध्यम से समाज को दिशा देने का काम करता है । श्री सिन्हा ने दीपावली पर सावधानी पूर्वक पटाखे जलाने की

अपील की साथ मुख्य अतिथी श्री सिन्हा कहाँ एनयूजे के सदस्यो के बीच आने पर अपनापन का एहसास होता है मै लगातार एनयूजे के बीच आया हूँ और आता रहूँगा तथा एनयूजे को हमारा हर समय पूरा सहयोग है और रहेगा। मुख्य अतिथी डॉ सुशील कुमार सिन्हा ने सभी पदाधिकारी तथा सदस्यो को दिपावली की पर्व पर सभी को बधाई तथा शुभकामना दी।

विशिष्ट अतिथी संगठन के वरिष्ठ संरक्षक पवन दिवेदी ने दीपावली महोत्सव को सम्बोधित करते हुए कहाँ कि एनयूजे राष्टब्यापी संगठन है हम सब खबरो को राष्टीय हित को ध्यान मे रख कर खबरो को लिखते है देशहित ही सर्वोपरि है । श्री दिवेदी ने एनयूजे के सभी पदाधिकारियो तथा सदस्यो को दीपावली की बधाई तथा शुभकामना दी।

दीपावली महोत्सव को सम्बोधित करते हुए संगठन के जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने कहा कि हम सभी पत्रकारो को कार्य करने की कोई समयबद नही होता है हम सब 24 घंटे कार्य करते है इसी को ध्यान मे रखते हुए इस कार्यॅक्रम को आयोजित किया गया है ताकि हम सब पत्रकार साथी एकसाथ कुछ पल आपस मे बिता सके । संगठन सभी पदाधिकारियो सदस्यो के मान सम्मान का पूरा ध्यान रखता है ।कार्यॅक्रम का संचालन महामंत्री अखिलेश शुक्ला ने किया। कार्यॅक्रम सम्बोधित करने वालो मे उमेश श्रीवास्तव मनीष दिवेदी मो नसीम खान देवाशीष श्रीवास्तव आनन्द श्रीवास्तव ने किया

दीपावली महोत्सव मे उपस्थित सर्व श्री पवन दिवेदी कुन्दन श्रीवास्तव अखिलेश शुक्ला चित्रांशी यादव मो नसीम देवाशीष श्रीवास्तव गिरीश पान्डेय वी के यादव मनोज कुमार धर्मेंद कुमार श्रीवास्तव राम बाबू डॉ सुधाकर पान्डेय मधुर दरबारी शनी केसरी असद कुरैशी शिव पान्डेय रंजीत निषाद अशरफ अली नफीस अहमद गौरव त्रिपाठी अमित श्रीवास्तव मूलचद्रं भारती अनूप रावत भाल चद्रं पान्डेय इरफान खान राकेश कुमार पाल राम कैलाश कनौजिया जितेद्रं कुमार सिंह शिव जी मालवीय शीतला प्रसाद तिवारी पवन देव अनिरूद त्रिपाठी सरिता देवी आदि उपस्थित रहे।

मंडलायुक्त ने सदर तहसील के संपूर्ण समाधान दिवस का किया अचानक निरीक्षण, अधिकारियों की उपस्थिति जांची

(जीएनएस)।

पीलीभीत की सदर तहसील में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस का अचानक निरीक्षण करने मंडलायुक्त भूपेंद्र एस. चौधरी पहुंचे। उनकी उपस्थिति से अधिकारी और कर्मचारी चौंक गए।

मंडलायुक्त ने मौके पर मौजूद विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति खुद जाँची और एडीएम वित्त एवं

राजस्व ऋतु पूनिया को सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति की रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने फरियादियों की समस्याएँ सुनी तथा सदर एसडीएम को निस्तारण प्राथमिकता से कराने को कहा।

यह कड़ा कदम अधिकारियों के जवाबदेही और शिकायत समाधान में तत्परता बढ़ाने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

देश के हित में करें एक छोटा प्रयास- दीपावली पर खरीदें सिर्फ स्वदेशी सामान

(जीएनएस)।

लखनऊ । भारत तिब्बत समन्वय संघ (बीटीएसएस) ने दीपावली के अवसर पर लोगों से अपील की है कि इस बार त्योहार पर केवल स्वदेशी वस्तुओं का ही उपयोग करें। संघ ने कहा कि यह छोटा प्रयास देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त करेगा और ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा देगा। इससे स्वावलंबी भारत अभियान को भी गति मिलेगी भारत तिब्बत समन्वय संघ (प्रचार प्रभाग) के पूर्वी उत्तर प्रदेश के सह क्षेत्रीय संयोजक नवनीत मिश्र ने कहा कि हम सभी को भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने बताया कि दीपावली पर गणेश-लक्ष्मी की मूर्ति, दीप, झालर, मोमबत्ती, पटाखे आदि सामग्री भारत में ही तैयार की जाती है, परंतु इनमें कई सामान चीन से भी आते हैं। इसलिए लोगों को चाइनीज वस्तुओं का पूर्ण बहिष्कार करना चाहिए। श्री मिश्र ने कहा कि हाल के वर्षों में चाइनीज

उत्पादों के बहिष्कार का असर व्यापारियों और उपभोक्ताओं में देखने को मिला है। दीपावली के अवसर पर चाइनीज वस्तुओं की मांग में गिरावट आई है, लेकिन अभी यह पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि सजावट का सामान थोड़ा महंगा भी हो, तो हमें स्वदेशी ही खरीदना चाहिए। यही देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त करेगा और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। उन्होंने कहा कि चीन ने सस्ते उत्पादों के माध्यम से न केवल भारतीय बाजार पर कब्जा करने की कोशिश की, बल्कि हमारी संस्कृति को भी प्रभावित किया। चीन ने भगवान श्री गणेश की मूर्तियों में छोटी आंखों वाली प्रतिमाएं बनानी शुरू कीं, जो हमारी धार्मिक आस्थाओं पर प्रहार है। श्री मिश्र ने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि आइए, हम संकल्प लें कि इस दीपावली और हर त्योहार पर स्वदेशी वस्तुओं का ही उपयोग करेंगे और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में योगदान देंगे।

दीपों संग बंटी खुशियां: बच्चों ने रंगोली और नृत्य से मनाई अनोखी दीपावली

(जीएनएस)।

पीलीभीत के पूरनपुर क्षेत्र के शेरपुर कलां समेत गांवों और नगर के विद्यालयों में दीपावली बड़े धूमधाम से मनाई गई। स्कूलों को रंग-बिरंगी झालरें, दीप और फूलों से सुंदर सजाया गया।

बच्चों ने दीपावली की महत्ता पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें दीप नृत्य, 'दीवाली खुशियों वाली' नाटिका और गीत शामिल थे। यूकेजी

के बच्चों ने 'श्री राम दरबार' नाटिका से सबका मन मोह लिया, वहीं कक्षा 4 के छात्र-छात्राओं ने दीपावली के महत्व को दशार्ती लघु नाटिका पेश की।

प्रधानाचार्य ने बच्चों को 'ग्रीन दीवाली- सेफ दीवाली' की प्रेरणा देते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मैनेजर फा. ग्रेगरी मस्क्रेनहस ने सत्य, धर्म और प्रकाश के पथ पर चलने की सीख दी।

दीपावली के इस उत्सव ने बच्चों और ग्रामीणों में खुशी और सांस्कृतिक चेतना को नई रोशनी दी।

धनतेरस पर लौटाई खुशियां, 170 गुम मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को सौंपे

(जीएनएस)।

लखनऊ। धनतेरस के शुभ अवसर पर लखनऊ पुलिस ने एक अनूठा उपहार देते हुए जनता के खोए हुए मोबाइल फोन लौटाकर कई चेहरों पर मुस्कान ला दी। पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर के दिशा-निर्देशन में चलाए जा रहे "खोए मोबाइल की बरामदगी" अभियान के तहत यह सफलता हासिल की गई। डीसीपी पश्चिमी विश्वजीत श्रीवास्तव, एडीसीपी धनंजय कुशवाहा, एसीपी चौक राजकुमार सिंह और थाना चौक पुलिस टीम के प्रयासों से विभिन्न कंपनियों के कुल 170 मोबाइल फोन जिसकी कीमत 35 लाख 50 हजार है लखनऊ सहित अन्य जनपदों और प्रांतों से बरामद किए गए। इन फोन को शनिवार को पुलिस उपायुक्त पश्चिमी द्वारा उनके असली मालिकों को सौंपा गया। फोन पाकर लोगों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया और इस पहल को सराहा। लखनऊ पुलिस की यह पहल न केवल तकनीकी दक्षता का उदाहरण है, बल्कि जनता के प्रति उसकी संवेदनशीलता को भी दशार्ती है।

अज्ञात चोरों ने अगल-बगल के दो घरों को निशाना बनाकर नगदी सहित लाखों रुपए के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया

(जीएनएस)।

मसौली, बाराबंकी। फोटो थाना क्षेत्र में अज्ञात चोरों ने अगल-बगल के दो घरों को निशाना बनाकर नगदी सहित लाखों रुपए के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया है। पीड़ित ने मसौली पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस जांच पड़ताल शुरू किया। मसौली थाना क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम पंचायत धरौली के निवासी सर्वेश कुमार पुत्र शिवनाथ शुक्रवार की रात्रि को प्रतिदिन की भांति परिवार के साथ खाना खाकर सो गए। रात्रि को अज्ञात चोरों ने घर के मुख्य दरवाजे का बेलन खोलकर घूसकर कमरे में रखा बक्से का ताला तोड़कर उसमें रखे जेवरात में सोने की झूमकी,नथ, मांग टीका, अंगुठी, चांदी की 6 जोडी पायल,हाथ फूल, करधनी पर हाथ साफ कर दिया। दूसरी घटना में धरौली निवासी दीपक कुमार चौहान के मकान में रखी अलमारी का ताला तोड़कर 23 हजार की नगदी, दो जोड़ी टप्स, सोने की झुमकी,सोने का माला, दो जोड़ी चांदी की पयाल, एक जोड़ी चांदी की हथफूल,एक जोड़ी चांदी की करधनी उठा ले गये। पीड़ितों को तहरीर पर मसौली पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की है।

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण; केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल; और केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज नई दिल्ली में जीएसटी बचत उत्सव पर संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की

(जीएनएस)।

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण; केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल; और केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज नई दिल्ली में जीएसटी बचत उत्सव पर एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

अपने उद्घाटन भाषण में, श्रीमती निर्मला सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले से घोषणा की थी कि दिवाली से पहले अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार लागू कर दिए जाएंगे।

श्रीमती सीतारमण ने कहा, "इसके अनुसार, टैक्स दरों में कमी, प्रक्रियाओं का सरलीकरण, टैक्स स्लैब की संख्या चार से घटाकर दो करना और वर्गीकरण से जुड़े मुद्दों का समाधान समय से पहले ही पूरा कर लिया गया है। अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार नवरात्रि के पहले दिन से लागू हो गए और मुझे लगता है कि भारत की जनता ने इसका भरपूर स्वागत किया है।'

केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, "हमने जीएसटी की दिशा तय की और उसे लागू भी किया। विपक्ष न तो जीएसटी लेकर आया और न ही इसे लागू करने की हिम्मत जुटाई। आज हम जो कर रहे हैं, वह कोई सुधार नहीं, बल्कि एक जागरूक निर्णय है – जो लोगों को अधिक लाभ पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार और जीएसटी परिषद् के बीच सहयोग का प्रतीक है।"

श्रीमती सीतारमण ने कहा, 'टैक्स दरों में कमी उपभोक्ताओं के फायदे में है – और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हमें यही करने के लिए निर्देशित किया है। हम 2017 से लेकर आज तक लगातार ऐसा करते आ रहे हैं।'

केंद्रीय वित्त मंत्री ने आगे कहा, "22 सितंबर से, हमें सभी वस्तुओं के बारे में क्षेत्रीय स्तर से जानकारी मिल रही है। हालांकि, हम 54 उत्पादों की कीमतों पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि संशोधित टैक्स ढांचे का लाभ अंतिम उपभोक्ता तक पहुंच रहा है। अगली पीढ़ी के जीएसटी का लाभ सभी 54 वस्तुओं पर पूरी तरह से लागू किया गया है।'

वित्त मंत्रालय का राजस्व विभाग, अगली पीढ़ी के जीएसटी ट्रांजिशन फेज के दौरान तय किए गए 54 उत्पादों की सक्रिय रूप से निगरानी कर रहा है।

अपने उद्घाटन भाषण में, श्री पीयूष गोयल ने 22 सितंबर को अगली पीढ़ी के जीएसटी को लागू करने के साथ इस वर्ष के नवरात्रि को विशेष बनाने के लिए प्रधानमंत्री जी और वित्त मंत्री जी का आभार जताया।

उन्होंने कहा कि इस सुधार ने पूरे देश में – आम नागरिकों, औद्योगिक और वाणिज्यिक सेक्टर और परिवारों में – एक नया उत्साह और ऊर्जा का संचार किया है। इसे आजादी के बाद का सबसे बड़ा सुधार बताते हुए, मंत्री महोदय ने कहा कि अप्रत्यक्ष कर प्रणाली 140 करोड़ भारतीयों को प्रभावित करती है, और प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष दोनों कर तरीकों के माध्यम से 2.5 लाख करोड़ रुपये की राहत देने का यह निर्णय अभूतपूर्व और कल्पना से परे है।

रफी मेमोरियल गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। खेल जीवन का अनिवार्य हिस्सा हैं, इसके द्वारा शारीरिक व्यायाम एवं अनेक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने स्वास्थ्य को मजबूत रखने की शक्ति प्राप्त होती है। इसलिए क्रीड़ा प्रतियोगिताएं पाठ्येतर क्रियाकलापों में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं।"

यह विचार उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति, जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत ने रफी मेमोरियल इण्टर कालेज, मसौली में चल रही तीन दिवसीय जनपदीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक समारोह के समापन अवसर पर कही इसके पूर्व मुख्य अतिथि बैजनाथ रावत द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन द्वारा समापन समारोह का शुभारंभ किया कार्यक्रम मे रफी मेमोरियल गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। जिला विद्यालय निरीक्षक ओपी त्रिपाठी ने अपने स्वागत उदबोधन में कहा की विद्यार्थियों में अनुशासन एवं नेतृत्व के गुणों का विकास करने के लिए यह खेलकूद की प्रतियोगिताएं जीवन में महत्वपूर्ण योगदान अदा करती हैं खिलाड़ी इसे धैर्यवान होना भी सीखता है। विधायक हैदरगढ़ दिनेश रावत ने कहा की जीत हार से बढ़कर खेलों में प्रतिभाग करना महत्वपूर्ण है क्योंकि आज का उपविजेता कल विजेता हो सकता है।

पूर्व विधायक रामनगर शरद कुमार अवस्थी ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए जीवन में ईमानदारी से आगे बढ़ने की बात कही।

इस तीन दिवसीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में जूनियर बालिका वर्ग में नेशनल इंटर कॉलेज फतेहपुर तथा रफी मेमोरियल इंटर कॉलेज मसौली ने संयुक्त विजेता होने का गौरव प्राप्त किया। उपविजेता का सम्मान जागृति इण्टर कालेज, सूरतगंज को मिला। जूनियर बालक वर्ग में यूनियन इंटर कॉलेज रामनगर विजेता जबकि फतेहचंद्र जगदीश राय इंटर कॉलेज सफदरगंज उपविजेता रहा। सीनियर बालिका वर्ग में रफी मेमोरियल इंटर कॉलेज मसौली विजेता तथा अजीमुद्दीन अशरफ इस्लामिया इंटर कॉलेज उपविजेता रहा। सीनियर बालक वर्ग में विजेता फतेहचंद्र जगदीश राय इंटर कॉलेज सफदरगंज तथा उपविजेता सिटी इंटर कॉलेज बाराबंकी रहा। सब जूनियर बालक वर्ग में विजेता होने का गौरव रफी रफी मेमोरियल इंटर कॉलेज मसौली जबकि उपविजेता लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज दरियाबाद रहा। सब जूनियर बालिका वर्ग में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बाराबंकी विजेता रहा जबकि संयुक्त उपविजेता जनता इंटर कॉलेज बदोसराय तथा रफी मेमोरियल इंटर कॉलेज रहे। बालक तथा बालिका वर्ग में व्यक्तिगत चैंपियनशिप क्रमशः वर्मा सूर्य प्रकाश वर्मा, सचिन, अनिकेत, अंशिका, गौसिया तथा सलमा को प्राप्त हुई।

उत्तर प्रदेश एससी एसटी आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत तथा विधायक हैदरगढ़ दिनेश रावत एवं वर्तमान विधायक शरद कुमार अवस्थी द्वारा सभी विजेता एवं चैंपियन खिलाड़ियों को शील्ड मेडल व ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक ओपी त्रिपाठी तथा वित्त एवं लेखा अधिकारी संतोष कुमार मौर्य द्वारा स्मृति चिन्ह एवं बुके भेंट कर सम्मानित किया गया। नेशनल इण्टर कालेज के प्रवक्ता आशीष पाठक के मंच संचालन में सम्पन्न इस कार्यक्रम के अवसर पर उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद के जिला अध्यक्ष अशोक कुमार त्रिपाठी ,जीआईसी बेलहरा के प्रधानाचार्य डीपी तिवारी, जीआईसी बाराबंकी के प्रधानाचार्य श राधेश्याम, जीआईसी सूरतगंज के प्रधानाचार्य अरविंद सिंह, जीआईसी अहमदपुर के प्रधानाचार्य विजय गुप्ता, जीआईसी निंदूरा के प्रधानाचार्य भानु प्रताप सिंह, जीआईसी शहाबपुर के प्रधानाचार्य राकेश ठाकुर, एवं एकनाथ मणि त्रिपाठी ,विजय बहादुर वर्मा, पूनम कनौजिया सबा जहीर, श्रीमती पूनम, सुविद्या वत्स ,श्याम नारायण ,कैलाश नारायण, रमेश चंद्र ओझा, अनन्त अस्थाना, तौहीद खान, प्रदीप सिंह, सुशील सिंह, राजन सिंह, सहित अनेक प्रधानाचार्य एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

पटाखों से वन्यजीवों को खतरा, चिड़ियाघर प्रशासन ने की अपील

आसपास के इलाकों में जल रहे तेज आवाज वाले पटाखे बने खतरा, निदेशक बोलीं– बचाएं वन्यजीवों की जान

(जीएनएस)।

लखनऊ। दीपावली पर जहां एक ओर लोग रोशनी और उत्सव की तैयारियों में जुटे हैं, वहीं चिड़ियाघर प्रशासन ने वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। प्रशासन ने आसपास के रहने वाले लोगों से अपील की है कि पटाखों का प्रयोग सीमित मात्रा में करें और तेज आवाज वाले पटाखों से बचें। चिड़ियाघर की निदेशक अदिति शर्मा ने बताया कि तेज आवाज और चमकदार पटाखों से जानवरों को अत्यधिक तनाव होता है। रॉकेट या ऐसे पटाखे जो ऊपर जाकर फटते हैं, उनसे पक्षियों और अन्य वन्यजीवों को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। अचानक तेज धमाके और रोशनी से जानवर भयभीत होकर अपने बसेरों से दूर भाग सकते हैं, जिससे उनके घायल होने या मृत्यु का खतरा रहता है। अदिति शर्मा ने नागरिकों से अपील की कि वे इस दीपावली पर पर्यावरण और वन्यजीवों दोनों की सुरक्षा को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि लोग कम ध्वनि वाले, पर्यावरण मित्र पटाखों का ही प्रयोग करें, ताकि त्योहार की खुशियां किसी जीव के लिए खतरा न बनें। वहीं,

हजरतगंज थाने के अंतर्गत आने वाले नरही चौकी क्षेत्र की भालू वाली गली में कुछ लोग तेज आवाज वाले पटाखे जलाने से बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसे में सड़क पर रहने वाले आवारा पशुओं के साथ-साथ चिड़ियाघर में मौजूद वन्यजीवों के जीवन को भी खतरा बना हुआ है। अब देखने वाली बात यह होगी कि प्रशासन तेज आवाज वाले पटाखों से वन्यजीवों को बचाने के लिए क्या ठोस कदम उठाता है।